भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **3391** जिसका उत्तर
शुक्रवार, 8 अगस्त, 2025/ 17 श्रावण, 1947 (शक) को दिया जाना है

पोत परिवहन उद्योग में प्रौद्योगिकी विकास

†3391. मोहम्मद रकीबुल हुसैन:

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पोत परिवहन उद्योग में संपर्क बिंदुओं के मानकीकरण की कमी को दूर करने के लिए सरकार की पहलों/ योजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) टर्मिनल प्रणालियों के साथ सीमित इंटरफेस संगतता को दूर करने और पोत परिवहन उद्योग में प्रौद्योगिकी विकास के लिए सरकार की पहलों / योजनाओं का ब्यौरा क्या है; और

(ग) तटीय विद्युत प्रौद्योगिकी के कार्यान्वयन के दौरान खतरनाक कार्गो के संचालन में जोखिम मूल्यांकन की आवश्यकता को पूरा करने के लिए सरकार की पहलों/योजनाओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) से (ग): पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने सभी पत्तनों और टर्मिनल प्रणालियों में डिजीटल अनुकूलता बढ़ाने, और समुद्री क्षेत्र में स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकास का संवर्धन करने के लिए कई मुख्य पहल की हैं। सामूहिक रूप से, इन पहलों का लक्ष्य भारत की समुद्री लॉजिस्टिक्स को सुदृढ़ करना, प्रणाली के परस्पर मिलकर कार्य करने (इंटरऑपरेबिलीटी) में सुधार करना, और भविष्य के लिए तैयार प्रौद्योगिकी चालित नौवहन पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहित करना है। अन्य बातों के साथ-साथ किए गए प्रमुख उपाय इस प्रकार है:

i. सागरसेतु/नेशनल लॉजिस्टिक्स पोर्टल (समुद्री): यह एक एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म है जिसका उद्देश्य भारतीय पत्तनों और नौवहन क्षेत्र में प्रचालन दक्षता, उत्पादकता बढ़ाना, और कारोबार करना आसान बनाना है। यह त्वरित और कागजात रहित प्रक्रिया के माध्यम से जलयान और कार्गो में कागजी कार्रवाई में लगने वाले समय को काफी कम करके निर्बाध आयात-निर्यात सेवाओं को सुगम बनाता है।

ii. समुद्री डिजिटल उत्कृष्टता केन्द्र: भरतीय समुद्री क्षेत्र के लिए उच्च स्तरीय कंप्यूटिंग विकास केन्द्र (सी-डैक) की साझेदारी में स्थापित इस केन्द्र का लक्ष्य उन्नत स्वदेशी आईटी समाधानों के माध्यम से डिजिटल ट्रांसफोरर्मेशन में तेजी लाना, नवाचार को प्रोत्साहित करना, और एआई, ब्लॉकचेन, डाटा विश्वलेषक का प्रयोग करके पत्तन और नौवहन उद्योगों के आधुनिकीकरण में मार्गदर्शन करना है।

iii. प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग - डाटा-ड्रिवन रिव्यू इंस्टीट्यूशनल सिस्टम फॉर ट्रैकिंग इंप्लिमेंटेशन (डीआरआईएसएचटीआई) फ्रेमवर्क: यह मैरीटाइम इंडिया विजन, 2030 और अमृतकाल विजन 20247 के अंतर्गत मुख्य निष्पादन संकेतकों और उपलब्धियों पर नजर रखने के लिए तैयार किया गया एक संस्थागत डिजिटल डैशबोर्ड है।

इसके अलावा, नौवहन महानिदेशालय ने दिनांक 12.03.2025 को 2025 का परिपत्र संख्या 09 जारी किया है जिसमें भारतीय पत्तनों और पोतों के लिए शोर टू शिप पॉवर सप्लाई संबंधी संस्तुत मानक निर्धारित किए गए हैं।

*****